ध्येय IAS
most trusted since 2003

DAILY prePARE
Current affairs summary for prelims

11 October 2024

आरबीआई ने रेपो दर स्थिर रखा

संदर्भ: हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुद्रास्फीति नियंत्रण को प्राथमिकता बताते हुए लगातार 10वीं बार रेपो दर को 6.5% पर अपरिवर्तित रखा है।

- आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने 'तटस्थ' मौद्रिक नीति के दृष्टिकोण पर बल दिया तथा तटस्थ मौद्रिक नीति को मुद्रास्फीति के नियंत्रण और आर्थिक विकास के मध्य संतुलन स्थापित करने के प्रयास के रूप में परिभाषित किया।

समिति द्वारा प्रस्तुत प्रमुख अनुमान:

- भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2024-25 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 7.2% और उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति दर 4.5% रहने का अनुमान लगाया है, जो पिछले अनुमानों के अनुरूप है। अनुकूल कृषि उत्पादन के परिणामस्वरूप खाद्य मुद्रास्फीति में कमी आ सकती है, हालांकि मौसम संबंधी जोखिम अभी भी विद्यमान हैं।
- समिति ने बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला और कुछ एनबीएफसी की अतिसक्रिय विकास रणनीतियों और उच्च ब्याज दरों के प्रति चिंता व्यक्त भी की।
- उपभोक्ताओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आरबीआई ने पूर्व-भुगतान दंड पर प्रतिबंधों को व्यापक बनाने और एनईएफटी तथा आरटीजीएस लेनदेन में खाता सत्यापन को बढ़ाने की योजना बनाई है।
- आरबीआई के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) में बढ़ोतरी से बाहरी वित्तपोषण की जरूरतें पूरी होंगी।

आरबीआई के तटस्थ रुख के निहितार्थ:

- **ब्याज दर समायोजन:** तटस्थ स्थिति ब्याज दर में कटौती की संभावना को अनुमति देती है, बशर्ते मुद्रास्फीति नियंत्रण में रहे और आर्थिक विकास स्थिर बने। इससे निवेश और उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा मिल सकता है।
- **मुद्रास्फीति प्रबंधन:** आरबीआई का फोकस मुद्रास्फीति की प्रवृत्तियों पर हैं। यदि मुद्रास्फीति बढ़ती है, तो केंद्रीय बैंक मूल्य स्थिरता बनाए रखने के लिए कदम उठाएगा। इससे आर्थिक संतुलन और उपभोक्ता विश्वास सुरक्षित रहेगा।
- **आर्थिक विकास को समर्थन देना:** आरबीआई विकास को प्रोत्साहित करने के साथ, मुद्रास्फीति को निर्धारित स्तर में रखने की अपनी प्रतिबद्धता दर्शाता है। इसका उद्देश्य आर्थिक विकास को आगे बढ़ाना है।
- **बाजार स्थिरता:** एक तटस्थ रुख ब्याज दरों के बारे में अपेक्षाओं को संतुलित करता हैं, जिससे वित्तीय बाजारों में विश्वास बढ़ता है। यह स्थिरता बाजार की अस्थिरता को कम करने और निवेशकों के विश्वास को प्रोत्साहित करने में मदद कर सकती है।

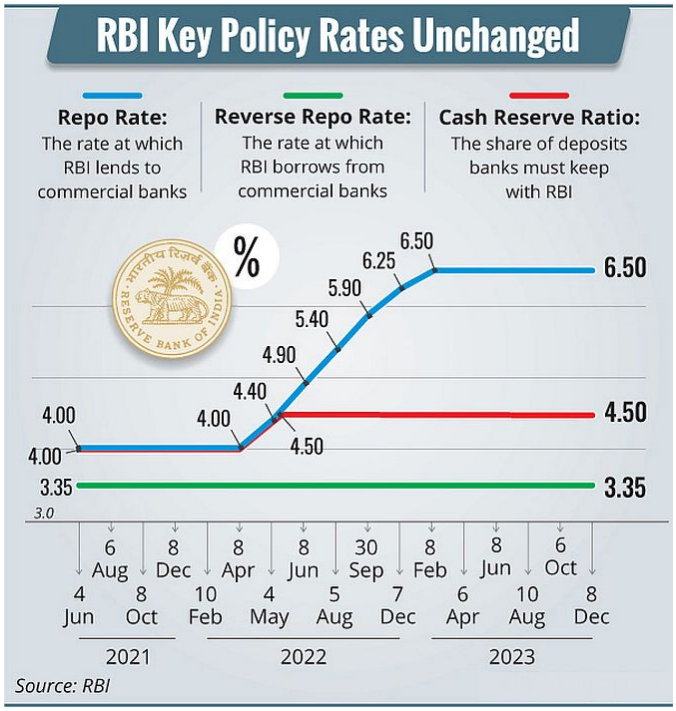

मूल्य स्थिरता में आरबीआई की भूमिका:

- केंद्रीय बैंक की प्रमुख जिम्मेदारी मूल्य स्थिरता बनाए रखना और मुद्रास्फीति को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करना है। किसी भी अर्थव्यवस्था में, मुद्रास्फीति की दर एक विशेष अवधि में मूल्य स्तरों में वृद्धि को दर्शाती है।
- विभिन्न देशों में मुद्रास्फीति के लक्ष्य भिन्न होते हैं। उदाहरण के लिए, अमेरिका का लक्ष्य 2% है, जबकि भारत में, मुद्रास्फीति के लिए 2% से 6% के बीच का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें 4% का लक्ष्य अनिवार्य है। ये मानक सतत आर्थिक विकास को सुनिश्चित करने के लिए एक आदर्श मुद्रास्फीति दर के रूप में स्थापित किए गए हैं, जो आर्थिक अनुसंधान और विश्लेषण पर आधारित हैं।

मौद्रिक नीति के बारे में:

- **मौद्रिक नीति मुख्यत:** अर्थव्यवस्था में मुद्रा की आपूर्ति और ब्याज दरों से जुड़ी होती है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) हर दो महीने में मौद्रिक स्थितियों का मूल्यांकन करने के लिए बैठक करती है, जिसमें मुद्रास्फीति को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने हेतु रेपो दर (वह ब्याज दर है जिस पर आरबीआई वाणिज्यिक बैंकों को उधार देता है) को समायोजित कर सकती है।
- संशोधित आरबीआई अधिनियम, 1934 के तहत गठित मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) एक छह सदस्यीय निकाय है, जिसका मुख्य कार्य मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के लिए रेपो दर का निर्धारण करना है।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

- इसमें आरबीआई का गवर्नर, डिप्टी गवर्नर और सरकार द्वारा मनोनीत व्यक्ति शामिल होते हैं। निर्णय बहुमत से लिए जाते हैं यदि मत बराबर हो जाते हैं, तो आरबीआई गवर्नर निर्णायक मत प्रदान करते हैं।

रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार 2024

संदर्भ: हाल ही में रसायन विज्ञान में 2024 का नोबेल पुरस्कार तीन प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों-डेविड बेकर, डेमिस हसबिस और जॉन एम. जम्पर को प्रोटीन के अध्ययन में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए प्रदान किया जाएगा।

- डेविड बेकर को कम्प्यूटेशनल प्रोटीन डिजाइन में उनके अग्रणी कार्य के लिए पुरस्कार का आधा हिस्सा मिलेगा।
- डेमिस हसबिस और जॉन एम. जम्पर को पुरस्कार का शेष आधा हिस्सा मिलेगा, उन्होंने अल्फाफोल्ड का विकास किया है। अल्फाफोल्ड एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल है, जो सटीकता के साथ जटिल प्रोटीन संरचनाओं की भविष्यवाणी करता है।
- प्रोटीन जटिल जैविक अणु होते हैं, जो पेप्टाइड बांड से जुड़े अमीनो एसिड से बनते हैं। ये सभी जीवों के लिए जरूरी होते हैं और विभिन्न कोशिकीय प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

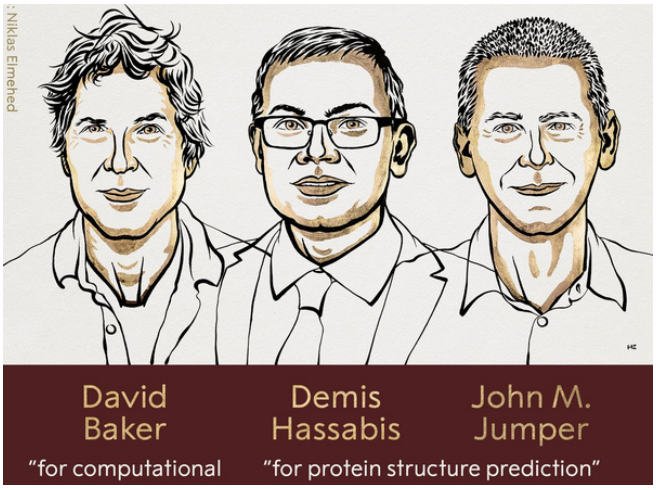

डेविड बेकर का योगदान:

- डेविड बेकर ने नये और अभिनव प्रोटीनों के डिजाइन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिन्हें पहले असंभव माना जाता था। डेविड बेकर ने 20 मानक अमीनो एसिड का उपयोग करके ऐसे प्रोटीन का निर्माण किया गया जो प्रकृति में विद्यमान नहीं हैं।
- डेविड बेकर ने विभिन्न कार्यों के लिए प्रोटीन विकसित किए हैं, जिनमें औषधीय उत्पाद, टीके, नैनो सामग्री और सेंसर शामिल हैं।
- बेकर का कार्य प्रोटीन की बहुपक्षीय क्षमताओं और चिकित्सा एवं तकनीकी समस्याओं के समाधान में उनके योगदान को उजागर करता है। विशिष्ट कार्यात्मकता वाले प्रोटीनों का डिजाइन करते हुए, वे लक्षित औषधि वितरण प्रणालियों और विकसित रोगजनकों के लिए अनुकूलनीय टीकों की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

डेमिस हसबिस और जॉन जम्पर का योगदान:

- डेमिस हसबिस और जॉन जम्पर ने प्रोटीन संरचनाओं की भविष्यवाणी के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है, जो अमीनो एसिड अनुक्रमों से संबंधित है। प्रोटीन के आकार की सही भविष्यवाणी, जो उनके कार्य को निर्धारित करती है, जीव विज्ञान में दशकों से एक महत्वपूर्ण चुनौती रही है।
- 2020 में, उन्होंने अल्फाफोल्ड2 का विकास किया, जो एक अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मॉडल है। यह मॉडल प्रोटीन संरचना की भविष्यवाणी में एक नई क्रांति लाने में सक्षम है, क्योंकि यह लगभग सभी ज्ञात 200 मिलियन प्रोटीनों की संरचनाओं को उच्च सटीकता के साथ पूर्वानुमानित करता है।
- अल्फाफोल्ड2 का उपयोग 190 देशों के दो मिलियन से अधिक वैज्ञानिकों द्वारा किया गया है, जो इसके वैश्विक प्रभाव को दर्शाता है। इसके अनुप्रयोगों में एंटीबायोटिक प्रतिरोध का अध्ययन और प्लास्टिक कचरे को नष्ट करने वाले एंजाइमों का अन्वेषण शामिल हैं। यह न केवल विज्ञान में नई संभावनाओं को खोलता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

खोजों के अनुप्रयोग:

प्रोटीन की समझ बनाने में सहायक:

- प्रोटीन जीवित जीवों के मौलिक घटक होते हैं। पुरस्कार विजेताओं का कार्य प्रोटीन की संरचना और कार्य को स्पष्ट करता है, जिससे विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति का मार्ग प्रशस्त होता है।

चिकित्सा पर प्रभाव:

- डेविड बेकर का कम्प्यूटेशनल डिजाइन लक्षित रोगों के लिए विशेष रूप से अनुकूलित प्रोटीन के निर्माण को सक्षम बनाता है।
- इससे नए उपचार और चिकित्सा पद्धतियां सामने आ सकती हैं, जैसे कि दवा वितरण प्रणालियाँ और नवीन चिकित्सा तकनीकें।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और जीव विज्ञान में प्रगति:

- हसबिस और जॉन जम्पर का अल्फाफोल्ड प्रोटीन संरचनाओं की भविष्यवाणी के लिए एक क्रांतिकारी दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है।
- यह मॉडल लगभग सभी ज्ञात प्रोटीनों की संरचनाओं की भविष्यवाणी करता है और प्रोटीन की अंत: क्रियाओं एवं कार्यों के बारे में हमारी समझ को बढ़ाता है।

अन्य अनुप्रयोग:

- सटीक प्रोटीन संरचनाएं नई दवा लक्ष्यों की पहचान और अधिक प्रभावी फार्मास्यूटिकल्स के डिजाइन में सहायक होती हैं।

- इंजीनियर्ड प्रोटीन से फसल के लचीलेपन और उपज में सुधार संभव है।
- नवाचारों के माध्यम से ऐसे प्रोटीन विकसित किए जा सकते हैं, जो जैव-उपचार और अन्य पारिस्थितिक अनुप्रयोगों में सहायक हो सकते हैं।

भारत को ट्रेकोमा उन्मूलन में डब्ल्यूएचओ से मिली मान्यता

संदर्भ: हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत को ट्रेकोमा उन्मूलन में आधिकारिक रूप से मान्यता प्रदान की है। यह उपलब्धि अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि ट्रेकोमा विश्वभर में अंधेपन के प्रमुख कारणों में से एक है और इससे लगभग 150 मिलियन लोग प्रभावित हुए हैं।

- भारत ने 2017 में राष्ट्रीय ट्रैकोमा सर्वेक्षण रिपोर्ट (2014-17) के आधार पर स्वयं को संक्रामक ट्रैकोमा से मुक्त घोषित किया था।

मान्यता का महत्व:

- विश्व स्वास्थ्य संगठन की यह सराहना भारत सरकार के निरंतर प्रयासों, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग तथा स्वास्थ्य पेशेवरों और समुदायों की सक्रिय भागीदारी को उजागर करती है।
- भारत, नेपाल, म्यांमार और विश्व के 19 अन्य देशों में शामिल हो गया है, जिन्हें ट्रेकोमा उन्मूलन के लिए समान मान्यता प्राप्त हुई है।

ट्रेकोमा:

- ट्रेकोमा एक गंभीर जीवाणु संक्रमण है, जो क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस के कारण होता है। यह मुख्य रूप से आँखों को प्रभावित करता है, जिससे सूजन, निशान और अंधापन हो सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ट्रेकोमा को एक उष्णकटिबंधीय रोग करार दिया है।
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) का लक्ष्य 2030 तक ट्रेकोमा को सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में समाप्त करना है।

उन्मूलन की यात्रा:

- भारत के प्रयास 1963 में आरंभ हुए, जब स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और यूनिसेफ के सहयोग से ट्रेकोमा नियंत्रण परियोजना की स्थापना की।
- उन्मूलन की रणनीति।
- भारत ने विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा अनुशंसित सुरक्षित रणनीति को अपनाया, जिसमें निम्नलिखित शामिल हैं:
  - » अंधापन का चरण (ट्रेकोमेटस) के इलाज के लिए सर्जरी (ट्राइकियासिस।
  - » संक्रमण को दूर करने के लिए एंटीबायोटिक्स:
  - » विशेष रूप से एंटीबायोटिक एजिथ्रोमाइसिन का बड़े पैमाने पर वितरण किया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय ट्रेकोमा पहल के माध्यम से उन्मूलन कार्यक्रमों में दिया जाता है।
  - » चेहरे की सफाई।
  - » पर्यावरण सुधार: विशेषकर जल एवं स्वच्छता तक पहुंच में सुधार।

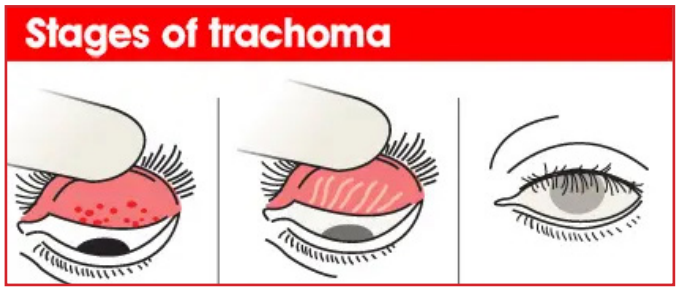

राष्ट्रीय अंधता एवं दृश्य हानि नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीबीवीआई):

- **आरंभ:** भारत में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 1976 में शुरू किया गया।
- **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य पूरे देश में अंधेपन और दृश्य हानि को रोकना और नियंत्रित करना है।

मामलों में गिरावट:

- वर्ष 2005 में भारत में अंधेपन के कुल मामलों में से 4% ट्रेकोमा के कारण थे।
- 2018 तक, यह घटकर 0.008% रह गया।
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई नया मामला सामने न आए, 2019 से 2024 तक नियमित निगरानी की गई।

हस्तांतरण (ट्रांसमिशन):

- **प्रत्यक्ष संपर्क:** संक्रमित आँख, नाक और गले के स्राव के संपर्क से फैलता है।
- **अप्रत्यक्ष प्रसार:** इन स्रावों के संपर्क में आने वाली मक्खियों के माध्यम से भी इसका प्रसार हो सकता है।

सामान्य लक्षण:

- आँखों में खुजली और जलन।
- आँखों से स्राव आना।
- प्रकाश के प्रति संवेदनशीलता।

ट्रेकोमा के परिणाम:

- बार-बार संक्रमण से ट्रैकोमैटस रोग हो सकता है, जिसे ट्राइकियासिस के नाम से जाना जाता है। इसके परिणामस्वरूप दर्द, दृश्य हानि और

उपचार न किए जाने पर संभावित अंधापन हो सकता है।

- **डब्ल्यूएचओ का उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग (Neglected Tropical Diseases- NTDs) रोड मैप:** 2021–2030 रोडमैप का लक्ष्य साल 2030 तक 21 बीमारियों और रोग समूहों की रोकथाम, नियंत्रण, उन्मूलन करना है।

पॉवर पैक्ड न्यूज

विश्व पर्यावास दिवस 2024

- विश्व पर्यावास दिवस 2024 हाल ही में 9 अक्टूबर 2024 को आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA) ने नई दिल्ली में विश्व पर्यावास दिवस मनाया, जिसका विषय था 'बेहतर शहरी भविष्य बनाने के लिए युवाओं की भागीदारी'।
- इस कार्यक्रम में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया जो सतत शहरी विकास को आकार देने में मदद करते हैं।
- प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY-U), दीनदयाल अंत्योदय योजना (DAYNULM) और अमृत 2.0 (AMRUT 2.0) जैसे विभिन्न सरकारी पहलों पर चर्चा की गई, जो युवाओं को समावेशी और सुदृढ़ शहरी क्षेत्रों का निर्माण करने में शामिल करती हैं।
- इस कार्यक्रम में प्रकाशनों का विमोचन और जीवन पर्यावरण को सुधारने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं के लिए पुरस्कार वितरण भी शामिल था।

विश्व पर्यावास दिवस के बारे में:

- विश्व पर्यावास दिवस, जिसे पहली बार 1985 में मनाया गया, संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा अक्टूबर के पहले सोमवार को मनाए जाने के लिए स्थापित किया गया था। यह दिन सुरक्षित और सम्मानजनक घर के सार्वभौमिक अधिकार पर जोर देता है और सरकारों, समुदायों और व्यक्तियों से आवास स्थितियों को सुधारने, सुरक्षित वातावरण और सुरक्षित पड़ोस बनाने के लिए काम करने का आह्वान करता है।

प्रीडेटर ड्रोन

- भारत की कैबिनेट सुरक्षा समिति (CCS) ने भारतीय नौसेना और सशस्त्र बलों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए कुछ प्रमुख रक्षा सौदों को मंजूरी दी है, जिनमें परमाणु-संचालित हमला पनडुब्बियों का स्वदेशी निर्माण और अमेरिका से 31 MQ-9B ड्रोन का अधिग्रहण शामिल है।
- ये पनडुब्बियां विशाखापत्तनम के शिप बिल्डिंग सेंटर में निजी क्षेत्र की भागीदारी के साथ बनाई जाएंगी, जिससे भारतीय महासागर क्षेत्र में भारत की नौसैनिक शक्ति मजबूत होगी।
- इसके अतिरिक्त, 16 स्काई गार्डियन और 15 सी गार्डियन मॉडल वाले MQ-9B ड्रोन भारत की खुफिया, निगरानी और टोही (ISR) क्षमताओं में सुधार करेंगे, साथ ही समुद्री और पर्वतीय क्षेत्रों में सटीक हमले करने में सक्षम होंगे।
- इन ड्रोन को एक विदेशी सैन्य बिक्री (FMS) अनुबंध के तहत भारत में असेंबल किया जाएगा।

MQ-9B प्रीडेटर ड्रोन के बारे में:

- MQ-9B प्रीडेटर ड्रोन एक मानव रहित हवाई वाहन (UAV) है जो उपग्रह संचार का उपयोग करके 40 घंटे से अधिक समय तक उड़ान भर सकता है। इसके दो संस्करण हैं: MQ-9B Sea Guardian, जिसे समुद्री उपयोग के लिए डिजाइन किया गया है, और Sky Guardian, जिसे भूमि संचालन के लिए बनाया गया है।

राष्ट्रीय समुद्री धरोहर परिसर (NMHC)

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत की 4,500 साल पुरानी समुद्री धरोहर को प्रदर्शित करने के लिए गुजरात के लोथल में राष्ट्रीय समुद्री धरोहर परिसर (NMHC)

के विकास को मंजूरी दी है। परियोजना को दो चरणों में क्रियान्वित किया जाएगा।

» चरण 1A: वर्तमान में इस चरण में अधिक प्रगति से कार्य किया जा रहा है, इसमें एक संग्रहालय शामिल होगा जिसमें छह दीर्घाएँ होंगी, जिनमें से एक भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल को समर्पित होगी और लोथल टाउनशिप का प्रतिकृति मॉडल होगा।

» चरण 1B: इसमें आठ और दीर्घाएँ, एक लाइटहाउस संग्रहालय और आगंतुकों के लिए सुविधाओं के साथ एक बगीचा परिसर जोड़ा जाएगा।

- चरण 2: तटीय राज्यों के मंडप, एक आतिथ्य क्षेत्र, और मनोरंजन पार्क पेश किए जाएंगे।

राष्ट्रीय समुद्री धरोहर परिसर (NMHC) के बारे में:

- राष्ट्रीय समुद्री धरोहर परिसर (NMHC) को सिंधु घाटी सभ्यता के एक ऐतिहासिक क्षेत्र में, बंदरगाह, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय के तहत निर्मित किया जा रहा है।
- इसका मुख्य उद्देश्य नवीनतम तकनीक का उपयोग करके प्राचीन से आधुनिक काल तक भारत की समुद्री धरोहर को एक शैक्षिक और मनोरंजक दृष्टिकोण से प्रदर्शित करना है।
- एक बार पूरा हो जाने पर, NMHC दुनिया का सबसे बड़ा समुद्री संग्रहालय परिसर होगा और एक अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक स्थल बनेगा।
- NMHC परियोजना के तहत लगभग 22,000 नौकरियों का सृजन होने की उम्मीद है, जिसमें 15,000 प्रत्यक्ष और 7,000 अप्रत्यक्ष पद शामिल हैं।

UPSC (IAS)
GENERAL STUDIES
16th OCT 2024
ENGLISH MEDIUM
TIME: 8:30 AM | 6:00 PM
Admission Open
MODE : OFFLINE & ONLINE
BOOK YOUR SLOT
A 12 Sector J Aliganj, Lucknow 9506256789
OTHER CENTER : CP1, Jeevan Plaza, Gomti Nagar, Lucknow 7234000501